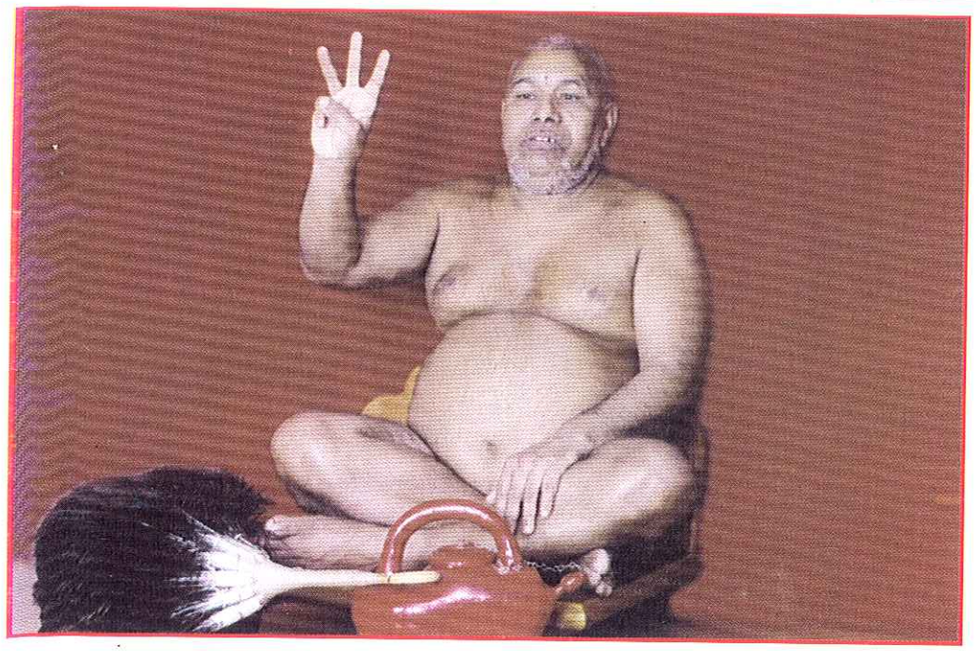

गुजरात संत केसरी प.पू. १०८ आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज
रत्नात्रय पूर्वक आर्शीवाद देते हुए ।

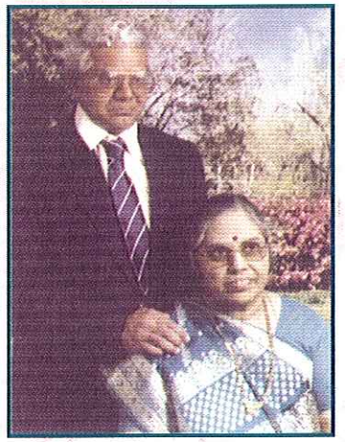

શ્રેષ્ઠ ધર્માનુરાગી પરિવાર

સ્વ. રમણલાલ મોતીલાલ શાહ
તથા
વિદ્યાબેન રમણલાલ શાહ

સમાજના સંપતિવાન સજ્જનોમાં સ્વ. શ્રી રમણલાલ મોતીલાલ શાહની સૌ પ્રથમ ગણતરી કરી શકાય. તેમનું કર્મનિષ્ઠ, પરોપકારી જીવન હંમેશા બીજાની મુશ્કેલીઓમાં મદદરૂપ થવા માટે હતું. પોતાના કુટુંબી બંધુઓને-સંતાનોને ઉચ્ચ શિક્ષણ-સંસ્કાર આપી સમાજમાં પ્રતિષ્ઠિત સ્થાન અપાવ્યું.

પોતાનું સેવામય અને પરોપકારી જીવન હંમેશા સમાજના દીન દુઃખીયાઓની સેવા કરવામાં, તમામ પ્રકારની તબીબી આરોગ્ય સહાય તથા શિક્ષણનું મહત્વ સમજી સમાજમાં વિદ્યાદાન માટે ઉદાર દિલથી સહાય કરી છે. જીવનની અંતિમ ક્ષણ સુધી તેઓ આ સેવાકાર્ય કરતાં રહ્યા તેમના આ સેવાયજ્ઞમાં તેમના ધર્મપત્ની વિદ્યાબેન હંમેશા સહાયરૂપ, પ્રેરણારૂપ બની રહ્યા છે.

હાલના સમયમાં-સમાજનાં નવનિર્માણ થતાં જૈન મંદિરમાં સવિશેષ સહયોગ આપી તથા પ્રાતઃસ્મરણીય શ્રી ૧૦૮ ભરતસાગરજી મહારાજ દ્વારા સંચાલિત સત્પથ ફાઉન્ડેશન ચેરિટેબલ ટ્રસ્ટ વડોદરા અને યુ.એસ.એ. ને આર્થિક સહાય દ્વારા જરૂરિયાતવાળા દર્દીઓને તમામ પ્રકારની તબીબી સહાય તથા શૈક્ષણિક સહાય તેમના પરિવારના સભ્યો ચેતનાબેન, નિતીનભાઇ, શરદભાઇ, કૌશિકભાઇ તથા કલ્પેશભાઇ તેમના સંસ્કારોની ધૂપસળી સમાન સુવાસ ફેલાવી રહ્યા છે.

સત્પથ ફાઉન્ડેશન ચેરિટેબલ ટ્રસ્ટ વડોદરા અને યુ.એસ.એ.ના શ્રેષ્ઠ ઉદ્દેશોની પ્રવૃત્તિઓને પ્રત્યક્ષ નીહાળી દાનનો અસ્ખલિત પ્રવાહ વિદ્યાબેન રમણલાલ શાહ (પરિવાર) તન-મન-ધનથી વહાવી રહ્યા છે. તેવા **''સેવાભાવી શ્રેષ્ઠ ધર્માનુરાગી પરિવારને વંદન'.**

લી. સત્પથ ફાઉન્ડેશન ચેરીટેબલ ટ્રસ્ટ વડોદરા અને યુ.એસ.એ.
વ્યવસ્થાપક કમીટી
તથા
સહમંત્રી-નરેન્દ્ર સી. શાહ

सत्पथ फाउन्डेशन चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रणेता :
गुजरात संत केसरी प.पू. १०८ आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज
(संघस्थ) मार्गदर्शिका एवं प्रेरिका
बा.ब्र.क्षु. १०५ चन्द्रमति माताजी

संपादक मण्डल :
श्री आर. सी. गांधी (अहमदाबाद), श्री अरुणकुमार एम. जैन (सूरत),
श्री एम. के. जैन (इन्दौर), श्री बी. के. शाह (बड़ौदा),
श्री नरेन्द्र सी. शाह (पोर-बड़ौदा), श्री विपिनभाई गोविन्दभाई पटेल (पादरा-बड़ौदा),
श्री जीवनप्रकाश जैन (इन्दौर), श्री अशोककुमार नंदलाल शाह (यु.एस.ए.)

कृति : द्वितीयबार

प्रतियाँ : १०००

सन् : २००८

प्रकाशन :
संजय प्रिन्टरी,
वाडी जुनी शाक मार्केट के पीछे,
बरानपुरा पेट्रोल पंप के सामने,
बड़ौदा-३९० ००४.
टे.नं. ०२६५-२४१८४८४, २४३८९९८

प्राप्ति स्थल : सत्पथ फाउन्डेशन चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि. आफिस), बड़ौदा.
श्री बी. के. शाह, अेफ-१, एस.पी. चेम्बर्स, आर.वी. देसाई रोड, बड़ौदा-३९०००१.
(गुजरात राज्य) भारत. फोनः ०२६५-३०९८२०२, २४१३०१७
मो. ९९२५२२१७३५, ९८९८२०३९६६

ઇશ્વર બધે નથી પહોંચી શકતો માટે તેણે 'મા' નું સર્જન કર્યું છે.

"सत्पथ फाउन्डेशन चेरिटेबल ट्रस्ट" बड़ौदा

रजिस्ट्रेशन नं. ई ५८४१ दि. ०३/०४/०१

परिचय

संसार के समस्त प्राणी दुःखी एवं भयभीत है। भय से आतंकित प्राणी राह से भटक गया है । लेकिन कोई सही मार्गदर्शन नहीं मिल रहा हैं। कलयुग के प्रभाव में आकर प्रत्येक प्राणी असंतुष्ट हैं।

मूक पशु-पक्षी हो या मनुष्य सभी अशांति, हिंसा, भय, रोग, भूखमारी, अकाल, भूकम्प, महामारी से ग्रसित हैं। ऐसे विकराल समय में प्राणिमात्र की रक्षा असंभव सी प्रतित होती हैं। कलयुग के भयावह समय में देश की संस्कृति भी लुप्त हो रही है। एक तरफ वैज्ञानिक तकनिकियों का विकास तो दूसरी तरफ हिंसा, झूठ, धोखा-धड़ी का तांडव नृत्य, ऐसी परिस्थिति में मनुष्य आर्थिक, मानसिक, शारीरिक, सभीसे कमजोर होता जा रहा हैं। संकट एवं अशांति में प्राणीमात्र की रक्षा सरस्वती के अवतार गुरुदेव ही कर सकते हैं। जिस क्षैत्र में गुरु का मार्गदर्शन होता हैं वहाँ शांति स्वयं आ जाती हैं। प्राणियों की अशांति भरी चीख को दम्भ करने का मार्गदर्शन एवं उपदेश हमें "गुजरात संत केसरी प.पू. गुरूवर १०८ आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज" से मिला। समन्वय-सद्भाव-संस्कार की रक्षा हेतु हमने सन्- १९९९-२००० में सत्पथ फाउन्डेशन चेरिटेबल ट्रस्ट बड़ौदा की स्थापना की ।

ट्रस्ट की व्यवस्था एवं प्राणियों की सेवा को ध्यानमें रखते हुए ट्रस्टीयों की नियुक्ति की गई जो इस प्रकार हैं।

Satpath Foundation Charitable Trust, Vadodara, (Guj.) India

Advisory Board :
Shri Omprakashji Jain, Surat
Shri M.M. Shah, Vadodara
Shri Vijaybhai C. Shah, Mumbai
Shri Girishbhai M. Shah, Mumbai
Shri Namokarchandji Kala, Jaipur
Shri Jeevanprakash L. Jain, Indore

Board of Trustees

President :
Shri R. C. Gandhi
Tax Consultant & Social Worker
Ahmedabad, (Guj.)

Vice President :
Shri Arunkumar Mahavirprasad Jain
Cloth Merchant & Social Worker
Surat, (Guj.)

Secretary :
Shri B. K. Shah
Tax Consultant & Social Worker
Vadodara, (Guj.)

Jt. Secretary :
Shri Narendra C. Shah
Social Worker
Por, Vadodara. (Guj.)

Treasurer :
Shri M. K. Jain
Businessman & Social Worker
Indore, (M.P.)

Jt. Treasurer :
Shri Vipinbhai Govindbhai Patel
Businessman & Social Worker
Padra, Vadodara. (Guj.)

Trustees :
Shri Pankajbhai K. Doshi, Idar, (Guj.)
Shri Mausham Jhanjhari, Dhar, (M.P.)
Shri Bharatbhai K. Shah, Dabka, Vadodara. (Guj.)

પરમાત્માની શક્તિ અમર્યાદ્ધ છે, માત્ર આપણી શ્રધ્ધા જ અલ્પ હોય છે. - મહાવીર સ્વામી

Founders & Pioners of
Satpath Foundation Charitable Trust, Vadodara in U.S.A.

Hon. Chair-Person	:	**Vidhyaben Ramanlal Shah**

Board of Hon. Trustees

President	:	**Shri Harshadbhai K. Shah**
Vice President	:	**Shri Nitinbhai R. Shah**
Organiser	:	**Shri Manharbhai C. Shah** **Shri Vijaybhai R. Shah** **Shri Sharad R. Shah** **Shri Rohitbhai A. Shah**
Secretary	:	**Shri Ashokkumar N. Shah**
Jt. Secretary	:	**Shri Sureshbhai J. Shah**
Treasurer	:	**Shri Pankaj B. Shah**
Mahila Cell Convenor	:	**Smt. Sudhaben H. Shah**
Yuva Cell Convenor	:	**Shri Kalpeshbhai R. Shah**
Hon. Co-ordinator	:	**Shri Kumarpal A. Shah** **Shri Ajeshbhai R. Shah** **Shri Dilipbhai N. Shah** **Shri Rakeshbhai R. Shah**
Hon. President (U.K.)	:	**Smt. Hasumatiben C. Shah**

કથા મનોરંજન માટે નહીં, પણ મનોમંથન માટે છે.

इस प्रकार हमने एकता के सूत्र में संगठित होकर समन्वय-सद्भाव-संस्कार के परमाणुओं का प्रचार-प्रसार करने का संकल्प किया।

निम्नलिखित उद्देश्यों (लक्ष्यों) को ध्यान में रखते हुए प्राणीमात्र की सेवाका संकल्प लिया :-

१) स्वाध्याय एवं धार्मिक साक्षरता
२) धर्मायतन निर्माण एवं जिर्णोद्धार
३) युवक संदेश
४) संगठन
५) बाल संस्कार
६) साहित्य प्रकाशन
७) सामाजिक सहयोग
८) श्रमण संस्कृति
९) शाकाहार संदेश
१०) त्यागीव्रती आश्रम एवं साधना केन्द्र
११) भक्तामर का प्रचार प्रसार

सत्पथ फाउन्डेशन चेरिटेबल ट्रस्ट बड़ौदा की स्थापना मूकप्राणियों की सेवा एवं मानव कल्याण के लिए की गई हैं। यह ट्रस्ट गरीबों का मसिहा, भूखों का अन्नकूट, प्यासों का जलस्त्रोत हैं। अज्ञानियों का ज्ञान मंदिर है। गरीबों को रोजगारी देती है। साधु-संतों की वैय्यावृत्ती एवं दीनदुखियों की सेवा हेतु सदैव तैयार रहती हैं।

सत्पथ फाउन्डेशन चेरिटेबल ट्रस्ट प्राणीयों की सेवा के उद्देश्य से निर्मित की गई हैं। भारत देश की मीट्टी में विनय, प्रेम, दया, वात्सल्य, करूणा, अहिंसाका गुण भरा हुआ हैं। ऐसे शुद्ध संस्कारोंकी पवित्र भूमि पर प्राणी, दर्द की पीड़ा से कराहता रहे और हम देखते रहें यह कदाचित नहीं हो सकता। यह संस्था सेवा के मौके की प्रतिक्षा में तैयार रहती हैं। सेवा के लिए भी ज्ञान एवं धन दोनों की जरूरत होती हैं। धनलक्ष्मी तो चंचल हैं, इसका सदुपयोग दान के माध्यम से ही होता हैं। दान की राशि पीड़ाओंसे पीड़ित प्राणीकी सेवा में लगाई जाती है।

वन में, रण में, शत्रुता में, धर्म में, सेवा में, वैय्यावृत्तीमें, प्राकृतिक प्रकोप में, दुःख से पीड़ित मानव को, मार्ग से विचलित एवं घबराए हुए प्राणी को सही मार्गदर्शन सत्पथ फाउन्डेशन चेरिटेबल ट्रस्ट देती है। इस ट्रस्ट की उन्नति का आधार स्तंभ मानव समाज है। ट्रस्ट मानव समाज से तन-मन-धन से सहयोग की अपिल करती है।

ट्रस्ट की विविध सेवाओं में आप सहभागी बनें, यही मानव समाजसे अनुरोध है।

પૂજા માટે જોડેલા બે હાથ કરતા સેવા માટેનો એક હાથ વધુ મહત્વનો છે.

गीता सार

जो हुआ वह अच्छा हुआ ।
जो हो रहा है वह अच्छा हो रहा है ।
जो होगा, वह भी अच्छा ही होगा ।
तुम्हारा क्या गया जो तुम रोते हो?
तुम क्या लाये थे जो तुमने खो दिया?
तुमने क्या पैदा किया था, जो नष्ट हो गया?
तुमने जो लिया यहीं से लिया
जो दिया, यही पर दिया ।
जो आज तुम्हारा है, कल किसी और का था ।
परसों किसी और का हो जायेगा ।

परिवर्तन ही संसार का नियम है ।

ભરત કૃષ્ણકાન્ત શાહ (સહપરિવાર)